Roll No. .....

Total No. of Pages : 3

Total No. of Questions : 13

पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्ड

विषय कोड : 616

सामान्य हिन्दी

पञ्चम्-प्रश्नपत्रम्

समय : 1½ घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश:— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रत्येक प्रश्न हेतु अंक निर्धारित हैं।

(*iii*) आरम्भ में दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।

1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयनकर कीजिए : 4

(1) तुलसीदास की पत्नी का नाम ..... था। (हुलसी/रत्नावली)

(2) 'कमल' शब्द का पर्यायवाची ..... है। (गुलाब/पंकज)

(3) ''साये में धूप'' प्रसिद्ध गजलसंग्रह के कवि ..... हैं।
(रामनाथ अवस्थी/दुष्यन्त कुमार)

(4) संस्कृति की प्रवृत्ति ..... देने वाली होती है। (महाफल/कल्पवृक्ष)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर **एक वाक्य** या **एक शब्द** में दीजिए : 2

(1) ''सच्ची वीरता'' निबंध के लेखक कौन हैं ?

(2) 'दो कविताएँ' की कवयित्री कौन हैं, जिन्हें अप्रवासी भारतीय कहा है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2

(1) हिन्दी की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा कौनसी है ?

(2) किस पत्रिका के साथ ही हिन्दी कहानी का जन्म माना जाता है।

(3) उपन्यास सम्राट के नाम से कौन जाना जाता है ?

984

4. सत्य/असत्य का चयन कीजिए : 2

(1) ''नववर्ष मंगलमय हो'' इच्छावाचक वाक्य है। ( )

(2) 'भूपति' में ति उपसर्ग है। ( )

5. हमें दुराग्रह क्यों छोड़ देना चाहिए ? 3

अथवा

''कश्मीर की मिट्टी में ही प्यार मुहब्बत की महक है।'' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

6. नदी की धार और ठंडी हवा से क्या आशय है ? 3

अथवा

तुलसीदास जी ने परमहित किसे कहा है ?

7. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मुस्कुराना क्यों आवश्यक है ? 3

अथवा

द्विवेदीजी ने अपने लिए कौन-कौनसे **चार** सिद्धान्त निश्चित किए और उनका पालन करने में वे कहाँ तक सफल हुए ?

8. संधि और समास में कोई **तीन** अंतर लिखिए। 3

अथवा

देशज व विदेशी शब्दों में क्या अंतर है ?

9. नाटक और एकांकी में कोई **तीन** अंतर लिखिए। 3

अथवा

गद्य और पद्य में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्यांश की सन्दर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 5

किन्तु आज जो तृप्ति यहाँ पर, मुझे मिली है, हे! माता।
नयन मौन है कण्ठ अलेखा कुछ भी कहा नहीं जाता।

अथवा

''पर्वतों को काटकर सड़कें बना देते हैं वे।
सैकड़ों मरुभूमि में नदियाँ बहा देते हैं वे॥
गर्भ में जल-राशि के बेड़ा चला देते हैं वे।
जंगलों में भी महा-मंगल रचा देते हैं वे॥

11. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

सृष्टि में सूर्य, चन्द्रमा, तारे, ऋतु, प्रातः संध्या आदि को नियमित रूप से आते-जाते देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सृष्टि के मूल में एक सुनियोजित व्यवस्था कार्य कर रही है। ये सभी तत्व अनुशासन में बँधकर चलते हैं। यही कारण है कि उनके कार्यकलापों में किंचित मात्र भी अन्तर नहीं हो पाता है। यह प्रकृति ही हमें अनुशासन सिखाती है। अनुशासन बंधन नहीं है। समय, स्थान तथा परिस्थितियों के अनुरूप नियम का पालन ही अनुशासन है।

प्रश्न :

(1) गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।

(2) गद्यांश का सार्थक सार लिखिए।

(3) सूर्य का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(4) संध्या का विलोम लिखिए।

12. अपने छोटे भाई को उसके प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर बधाई-पत्र लिखिए। 5

अथवा

भोपाल नगरपालिका अध्यक्ष को एक शिकायती-पत्र लिखिए, जिसमें मोहल्ले की सफाई न होने की शिकायत की गई हो।

13. (अ) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर सारगर्भित निबन्ध **200** से **250** शब्दों में लिखिए। 7

(ब) शेष विषयों में से किसी **एक** की बिन्दुवार रूपरेखा लिखिए : 3

(1) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या, कारण, निदान

(2) कम्प्यूटर : मानवजीवन की आवश्यकता

(3) जल ही जीवन है

(4) समय का सदुपयोग

(5) राष्ट्रीय एकता

(6) बेटी है तो कल है

(7) भारत स्वच्छता अभियान

986

SET - B

प्राश्निक कोड क्रं ....

पृष्ठ क्र. 01
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा० हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
उत्तर 1	रिक्त स्थान :-	
(1)	रत्नावली (2) पंकज	4 अंक
उत्तर (3)	दुष्यंत कुमार (4) महाफल	
उत्तर 2	एक शब्द या वाक्य में उत्तर	2 अंक
1.	सरदार पूर्णसिंह (2) ऊषाराजे सक्सेना	
उत्तर 3	दो प्रश्नों के उत्तर :-	2 अंक
1.	कहानी (2) इन्दु (3) मुंशी प्रेमचंद	
उत्तर 4	सत्य / असत्य :-	2 अंक
1.	सत्य (2) असत्य	
उत्तर 5	दूसरों के चरित्र या विचारों से भी हमें अच्छी सीख मिल सकती है, अत: दुराग्रह छोडकर प्रत्येक वस्तु को परीक्षा की कसौटी में कसकर अच्छी वस्तु स्वीकार करना चाहिए।	3 अंक
	अथवा / OR	
	कश्मीर की प्राकृतिक वादियां एवं वहाँ की मिट्टी हमें प्यार मोहब्बत की याद दिलाती है वहाँ की मिट्टी में आपसी प्रेम की सौगात छिपी हुई है। पाकिस्तान एवं भारत की सीमा पर स्थित यह प्रदेश दोनों देशों में आपसी सौहार्द प्रेम उत्पन्न कराता है।	
उत्तर 6	नदी की धारा का आशय अविरल प्रवाहित होने वाली प्रतीकार्थ है। मानव-जीवन भी निरन्तर चलने वाला जीवन होता है। ठंडी हवा का तात्पर्य शीतल एवं सुखद हवा प्रतीकार्थ है। मानव-जीवन में शान्ति एवं सुख	3 अंक

हस्ताक्षर

987

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 02

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	का साम्राज्य फैले। आशय यह है कि नदी की धारा निरन्तर प्रवाहित होती रहती है। उससे ठंडी हवा भी मिलती है। उसी तरह, मनुष्य भी गतिशील रहे, उसे शीतलता, शांति एवं संतोष की प्राप्ति निरन्तर होती रहे।	
	अथवा/OR	
	श्री रघुपति के चरणों में अर्पण को तुलसीदास जी ने परमहित कहा है जो व्यक्ति श्रीराम के चरणों में अपना हृदय अर्पित करता है, उसका सदा कल्याण होता है।	
उत्तर 7	जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हंसी एक वरदान है। प्रस्तुत निबंध में हंसी के बहुआयामी लाभों को प्रकट किया गया है। लेखक ने हंसी को वैज्ञानिक आलोक में प्रकट किया है। हंसने से शरीर की कांति बढ़ती है इसके द्वारा अनेक रोगों से मुक्ति मिलती है। हंसी मस्तिष्क को उत्प्रेरणा देती है। इसलिए आजकल हास्य क्लब भी बनाये जाते हैं। अतः जीवन का आनंद पाने के लिए हंसना जरूरी है।	3 अंक
	अथवा/OR	
	द्विवेदीजी ने अपने लिए निम्नलिखित चार सिद्धान्त निश्चित किए —।	

1. वक्त की पाबन्दी करना।

हस्ताक्षर

988

प्राश्निक कोड क्रं ....

पृष्ठ क्र. 03

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
2.	रिश्वत न लेना (3) अपना काम ईमानदारी से करना (4) ज्ञान वृद्धि के लिए सतत प्रयत्न करते रहना। पहले तीन सिद्धान्तों के अनुकूल आचरण करना तो सहज था पर चौथे के अनुकूल सचेष्ट रहना कठिन था फिर भी सतत अभ्यास से उसमे सफलता भी प्राप्त होती गयी।	
उत्तर 8	सन्धि | समास	3 अंक
1.	दो वर्णों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे सन्धि कहते है | दो या दो से अधिक पदों के पारस्परिक योग से जो नया शब्द बनता है उसे समास कहते है	
2.	सन्धि तीन प्रकार की होती है | समास के छः भेद होते है	
3.	सन्धि को तोड़ना विच्छेद कहलाता है | समास को तोड़ना विग्रह कहलाता है।	
	अथवा 8	
•	आंचलिक भाषाओं व बोलियों से ग्रहण किये गये शब्द देशज शब्द कहलाते है। जैसे खिचड़ी, जूता, कटोरा आदि, विदेशी भाषाओं के वे शब्द जो हिन्दी में प्रयोग किए जाते है विदेशी शब्द या आगत शब्द कहलाते है जैसे - दिमाग, आदमी, फर्क आदि।	
उत्तर 10	सन्दर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी सामान्य के शबरी शीर्षक से उद्धृत है	5 अंक

हस्ताक्षर ....

उत्तर क्रमांक 09 आगे पृष्ठ पर है।

2/1915

प्राश्निक कोड क्रं ....

पृष्ठ क्र. 04

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी .... विषय कोड 616 .... माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णाक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	इसके रचयिता डॉ. प्रेम भारती जी है। प्रसंग:- इस पद्यांश मे कवि ने श्रीराम की पूर्ण सन्तुष्टि का वर्णन किया है।~~जो निम्न प्रकार है~~ व्याख्या - कवि कहता है कि श्रीराम शबरी से कहते है कि हे माता! मैंने यहां आकर जो संतुष्टि प्राप्त की है। वह मुझे सारे राज्य वन मे कहीं भी नही मिली थी। इस अलौकिक सन्तुष्टि को पाकर संतोष से मेरी आंख बह सी रही है तथा गला प्रेमातिरेक से भर गया है। इसलिए कुछ नही कह पा रहा हूँ। अथवा / OR (अन्य सलेक व्याख्या लेखन पर स्व विवेक से अंक प्रदान करें) सन्दर्भ:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी सामान्य मे संकलित अयोध्या सिंह उपाध्याय विरचित कर्मवीर कविता से है- प्रसंग:- इसमे हरिऔध जी ने यह स्पष्ट किया है कि सरल कर्मवीरों के प्रयत्नो के फलस्वरूप ही बड़े-बड़े कार्य हुए है। व्याख्या:- पर्वतो को काटकर वहां सड़के बना देना सरल कार्य नही लेकिन जो लोग ऐसा कार्य करते है, वे ही संसार मे महान कार्य करने मे सफल होते है। ऐसे कर्मवीर एवं साहसी व्यक्ति रेगिस्तान मे भी नदियों की धारा को लाने मे सफल होते है।	

.... हस्ताक्षर ....

990

प्राशिनक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 05

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय ..... सा.हिन्दी ..... विषय कोड ..... 616 ..... माध्यम .....

कुल प्रश्न .....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	कर्मवीर व्यक्ति विशाल तथा गहरे सागरों में जहाजों के बेड़े चलाने में समर्थ होते हैं। ऐसे व्यक्ति हीं जंगलों में भी चहल-पहल तथा धूम-धाम मचा देते हैं। निर्जन स्थानों पर भी ऐसे व्यक्ति उत्सव का वातावरण पैदा कर देते हैं। साहसी, कर्मवीर व्यक्तियों के परिश्रम के कारण ही नभ एवं पृथ्वी से संबंधित अनेक रहस्यों का पता चल पाया है। → (अन्य सरीक व्याख्या लेखन पर स्वविवेक से अंक प्रदान करें)	
उत्तर	1. प्रकृति और मनुशासन 2 सूर्य, चन्द्रमा, तारे ऋतु, प्रात: संध्या आदि को लगातार आते जाते देखकर सृष्टि की कुशल व्यवस्था का पता चलता है। यह सभी तत्व अनुशासन में बंधे होने के कारण कभी भी गलती नहीं करते। इससे हम अनुशासन सीखते हैं जो बंधन न होकर उचितानुसार सामान्य नियम का पालन है। → 3. सूर्य :- सूरज, रवि, दिनकर, भास्कर, दिवाकर आदि 4. संध्या :- प्रात.	5 अंक (अन्य सटीक सार लेखन पर स्व विवेक से अंक प्रदान करें)
उत्तर	सम्बोधन (अग्रभाग) मुख्य विषय (मध्यभाग) समापन (अंतिम भाग) सही होने पर 5 अंक दिये जायें।	5 अंक

हस्ताक्षर .....

2/1915

प्राश्निक कोड क्रं ....

पृष्ठ क्र. ....06......

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय ....सा. हिन्दी.... विषय कोड ....616.... माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक ....50....

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
उत्तर (अ)	निबंध की प्रस्तावना, विषयवस्तु, उपसंहार एवं प्रस्तुतीकरण की सटीक, मौलिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति पर 7 अंक दिये जाये।	7 अंक
(ब)	रूपरेखा बिन्दुवार लिखने पर 3 अंक दिये जाये।	3 अंक
उत्तर 9	नाटक एवं एकांकी में अंतर इस प्रकार है – 1. नाटक में जीवन का वृहद चित्रण होता है जबकि एकांकी में जीवन का खण्ड चित्रण होता है। 2. नाटक में कई अंक होते हैं जबकि एकांकी में एक अंक होता है। 3. नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है जबकि एकांकी में पात्रों की संख्या कम होती है अथवा/OR वाक्यों में अभिव्यक्त विचार प्रधान रचना गद्य कहलाती है तथा आरोहण - अवरोहण से युक्त छंद एवं लय में भावों की अभिव्यक्ति पद्य कहलाती है।	3 अंक

हस्ताक्षर ....

992